ऋषि बनाम मुकेश कुमार वगै0
मु0नं0 127/2019
अ0धा0 136

दिनांक 28.01.2020 वकील पक्षकारान उपस्थित। बहस उभय पक्षकारान सुनी गई। पत्रावली का अवलोकन किया गया। विवादित भूमि ख.नं. 526 रकबा 0.05 है0 ख.नं. 527 रकबा 3.70 है0, ख.नं. 581 रकबा 0.06 है0 व ख.नं. 583 रकबा 0.89 है0 वाके मौजा सूरजगढ़ प्रतिवादी नं. 1 के नाम राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज है। दावे में वादी ने कथन किया कि विवादित भूमि पक्षकारान की पैतृक सम्पत्ति है। वादी व प्रतिवादीगण 1 लगायत 4 को उक्त भूमि उनके पूर्वज कुमाराम से उत्तराधिकार में मिली तथा वादी व प्रतिवादीगण नं. 1 लगायत 4 का इस जमीन जैर बहस में प्रत्येक का 1/5 हिस्सा कानून से है। वादी अपने 1/5 हिस्सा पर काबिज काश्तकार है। करीब 10 वर्ष पहले ही पक्षकारान ने अपनी सहुलियत से जमीन जैर बहस का बाहमी बंटवारा कर अपने अपने हक हिस्सा की जमीन अलग अलग कर ली तथा अपने हक हिस्से पर शांतिपूर्वक काबिज हैं। लेकिन इस जमीन का राजस्व रिकॉर्ड गलत बना हुआ है। जो वादी के हकूकों के खिलाफ नल एण्ड वोईड शून्य, बेअसर है, जिसे दुरूस्त कराने का वादी हकदार है। उक्त राजस्व रिकॉर्ड वादी व प्रतिवादीगण नं. 1 लगायत 4 के नाम से बनना चाहिए था तथा जमीन में वादी व प्रतिवादी नं. 1 लगायत 4 का बराबर का हिस्सा दर्ज होना चाहिए था। जमीन जैर बहस पक्षकारों की पैतृक सम्पत्ति होने से कानूनन इस जमीन में वादी का 1/5 हिस्सा बाई बर्थ है तथा अपने हक हिस्से की जमीन पर वादी काबिज काश्तकार है। वकील वादी ने दौराने बहस अदालत का ध्यान न्यायिक दृष्टांत आर. एल. डब्ल्यू. 1992 (1), 1197 आर.आर.डी. 225 एवं ए.आई.आर. 1974 (केरला) 108 की ओर दिलाया। प्रतिवादीगण 1 लगायत 4 ने इकबालिया जवाब दावा पेश किया तथा वाद वादी डिक्री किये जाने में कोई आपत्ति जाहिर नही की।

अतः वाद वादी डिक्री किया जाता है। जमीन ख.नं. 526 रकबा 0.05 है0 ख.नं. 527 रकबा 3.70 है0, ख.नं. 581 रकबा 0.06 है0 व ख.नं. 583 रकबा 0.89 है0 वाके मौजा सूरजगढ़ का वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 लगायत 4 को समस्त को 1/5– 1/5 हिस्से का खातेदार काश्तकार घोषित किया जाता है। तहसीलदार सूरजगढ़ को आदेशित किया जाता है कि वह निर्णयानुसार अनुसार राजस्व रिकॉर्ड में अमल दरामद करें। पर्चा डिक्री मुर्तिब हो। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम एवं बाद तकमील जाब्ता दाखित दफ्तर हो।

(अभिलाषा)
उपखण्ड अधिकारी
उपखण्ड अधिकारी, सूरजगढ़

Signature Not Verified
Digitally signed by Abhilasha
Date: 2021.08.06 16:25:35 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with CamScanner